

# मैं तो गुरुवर रा गुण गाऊँ म्हारी माँ म्हारो मन लाग्यो भगती



मैं तो गुरुवर रा गुण गाऊँ म्हारी माँ,

दोहा – गौ गंगा और गायत्री से,  
ऊपर गुरु रो नाम,  
गुरु ही मार्ग सुझावीयो,  
जिन पूजे खुद राम ।

मैं तो गुरुवर रा गुण गाऊँ म्हारी माँ,

म्हारो मन लाग्यो भगती में,  
तो गुरुवर रा गुण गाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो मन लाग्यो भगती में,  
मै तो गुरु चरने लग जाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो तन जाग्यो भगती में,  
मै तो गुरु चरने लग जाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो तन जाग्यो भगती में।

लक्ष्मी कृष्ण रा अंश है गुरुवर,  
शिवरात्रि गुरु जन्मीया जी,  
लक्ष्मी कृष्ण रा अंश है गुरुवर,  
शिवरात्रि गुरु जन्मीया जी,  
ऋग्वेद स्मारथ कुल मे,  
वासुदेव पलपीया जी,  
ऋग्वेद स्मारथ कुल मे,  
वासुदेव पलपीया जी,  
धन धन नाम कियो जरणी रो,  
भरपूर नाम कमायो जी,  
वेद पुराण रा गण जानता,  
आत्म तत्व सुख पायो जी,  
म्हारो मन लाग्यो भगती मे,  
मै तो गुरुवर रा गुण गाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो मन लाग्यो भगती मे,  
मै तो गुरु चरने लग जाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो तन जाग्यो भगती मे।



सु बुद्धि पल पानी जी,  
राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ शाखा,  
सु बुद्धि पल पानी जी,  
परम पूज्य गुरुवर जी रे मुख सु,  
राष्ट्रीय धर्म गती जानी जी,  
परम पूज्य गुरुवर जी रे मुख सु,  
राष्ट्रीय धर्म गती जानी जी,  
छोड़ असार संसार जगत ने,  
राग फकिरी गायी जी,  
राष्ट्रीय भक्ति और जीवन जुन हित,  
इतरी दिक्षा पायी जी,  
म्हारो मन लाग्यो भगती मे,  
मै तो गुरुवर रा गुण गाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो मन लाग्यो भगती मे,  
मै तो गुरु चरने लग जाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो तन जाग्यो भगती मे।bd।

---

गुरुवर साथे वैरी मिनखा,  
इतरी चाल चली भूँडी,  
गुरुवर साथे वैरी मिनखा,  
इतरी चाल चली भूँडी,  
पण गुरुवर मौन साधने,  
भरी रही धिरप ऊँडी,  
पण गुरुवर मौन साधने,  
भरी रही धिरप ऊँडी,  
दिया अमौज वरदान उनाने,  
रिता रही घर सुख भरीया,  
कहे मनावत गुरु किरपा सु,  
अधम मिनख भवसु तिरीया,  
म्हारो मन लाग्यो भगती मे,  
मै तो गुरुवर रा गुण गाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो मन लाग्यो भगती मे,  
मै तो गुरु चरने लग जाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो तन जाग्यो भगती मे।bd।

---

मैं तो गुरुवर रा गुण गाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो मन लाग्यो भगती में,  
तो गुरुवर रा गुण गाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो मन लाग्यो भगती में,  
मै तो गुरु चरने लग जाऊँ म्हारी माँ,  
म्हारो तन जाग्यो भगती में,  
मै तो गुरु चरने लग जाऊँ म्हारी माँ,

म्हारो तन जाग्यो भगती में।bd।



गायक – प्रकाश मालीजी & कुशल बारठ।

प्रेषक – मनीष सीरवी।

(रायपुर जिला पाली राजस्थान)

9640557818

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल  
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>